کھی میں کافی ملاوٹ ہو رہی ہے - تو یہ جو شکایت ہے اس کو روکنے کے لئے سرکار کیا کر رہی ہے ؟

†[श्री प्यारे लाल कुरील "तालिब" : हिन्दुस्तान में बनास्पति घी काफी इस्तेमाल होता है और देखने में आम तौर पर यह आता है कि आज कल वनास्पति घी में काफी मिलावट हो रही है । तो यह जो शिकायत है इसको रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है ?]

SHRI C. SUBRAMANTAM : It is a different question altogether.

MR. CHAIRMAN : It Joes not arise out of this.

*66. *{Postponed to the 8th March,* 1965.]

दिल्ली परिवहन की बसों में अत्यधिक भीड़

*67. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्षेत्रीय यातायात अधिकारी ने दिल्ली परिवहन की बसों में अत्यधिक भीड़ के बारे में क्या कार्यवाही की है; और

(ख) 1963-64 के वर्ष में 31 दिसम्बर तक अत्यधिक भीड़ के कितने मामलों में चालान किया गया तथा उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ?

t[ ] Hindi transliteration.

t[0\'ER-CROWDING IN D.T.U. BUSES

*67. SHRI V. M. CHORDIA : Will the Minister of TRANSPORT be pleased to slate :

(a) the steps taken by the Regional Transport Officer in connection with too much over-crowding in the D.T.U. buses; and

(b) the number of cases of over-crowding challaned and produced in courts during the year 1963-64 up to the 31st December ?]

परिवहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) और (ख) इस संबन्ध में एक विवरण मांग पटल पर प्रस्तुत है ।

विवरण

(क) बसों में अत्यधिक भीड़ को कम करने की दृष्टि से अधिक परिवहन सुविधा की व्यवस्था के लिये दिल्ली परिवहन संस्थान निम्न उपायों को काम में ला रही है। परिवहन अधिकारियों ने इस बारे में कोई कार्यवाही नहीं की है ।

(1) अपनी बसों के बेड़े को धीरे-धीरे बढ़ाना । संस्थान का अपने बेड़े में नई बसें लेने का वार्षिक क्रमिक कार्यक्रम है ।

(2) गाड़ियों का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए अपने मौजूदा गाड़ियों के बेड़े के ठीक रख-रखाव का सुनिश्चयन करना ।

(3) किसी विशेष समय में किसी खास मार्ग पर परिवहन सुविधाओं की अधिक आवश्यकता की पूर्ति के लिय विभिन्न मार्गों पर चलने वाली बसों की दिन प्रतिदिन एसी व्यवस्था करना जिससे जनता को कम से कम असुविधा हो ।

'[ ] English translation.

(4) यातायात आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अस्थायी तौर पर प्राइवेट बसों को किराये पर लेना ।

(ख) इस समय में अत्यधिक भीड़ का कोई मामला चालान नहीं किया गया ।

t[THE MINISTER OF TRANSPORT (SHRI RAJ BAHADUR) : (a) and (b) A statement giving the information required is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

(a) The following measures are being taken by the Delhi Transport Undertaking to provide increased transport facilities with a view to reducing over-crowding in the buses. No steps have been taken in this regard by the Transport Authority.

(i) Gradual augmentation of its fleet of buses. The Undertaking has a phased programme for addition of new buses to its fleet annually.

(ii) Ensuring proper maintenance of its existing fleet of vehicles with a view to maximise vehicle utilisation.

(iii) Meeting heavy requirements for i transport facilities on particular routes at ! a given point of time by day-to-day adjustment of buses operated on different routes so as to minimise inconvenience to | the public.

liv) Hiring of private buses temporarily ! to cope with traffic requirements.

(b) No case of over-crowding has been ' challaned during this period.]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या श्रीमान को यह पता है कि दिनांक 7 फ़रवरी 1965 के "दिनमान" नाम के साप्ताहिक में "आधुनिक जीवन" नाम के शीर्षक से आपकी डी० टी० यू० की प्रतिष्ठा का प्रमाणपत्र दिया गया और उसमें इस सम्बन्ध में चित्र भी दिए गए हैं कि लोगों को कितना कष्ट वगैरह उठाना पड़ता है, तो वह श्रीमान की निगाह में आया अथवा नहीं ? और उसके आने के पश्चात भी, इन सारे प्रयत्नों के बावजूद भी जनता को कष्ट है तो उसको दूर करने के लिए इन सुझावों के अलावा और कुछ करने को है अथवा नहीं ?

श्री राज बहादुर : "दिनमान" का जो सम्बन्धित लेख माननीय सदस्य ने बताया यह तो मुझे दृष्टिगोचर नहीं हुआ, उसे मैं नहीं पढ़ पाया हूं, खेद है इस बात का, किन्तु जो कदम हमने मुश्किल को दूर करने के लिए उठाये हैं वह विदित है और उसका कुछ ब्यौरा मैंने दिया है ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : श्रीमान ने यह कहा है "अपने बसों के बेड़े को धीरे-धीरे बढ़ाना", तो आप अपनी बसों को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं और जनसंख्या का बेड़ा भी धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है । जनसंख्या के बेड़े की प्रगति होती जा रही है और आपका बेड़ा डिटीरियोरेट होता जा रहा है । तो ऐसी स्थिति में उसको काउंटर-एक्ट करते हुए आपका बेड़ा हो सके इस दिशा में कुछ कर रहे हैं अथा नहीं ? पहली बात । दूसरी बात यह है कि ये आपकी बसेज़ स्थिति को सम्हालने में पर्याप्त नहीं हैं तो क्या कोई नई योजना अंडरग्राउंड बस-रूट्स की, अंडरग्राउंड ट्रेंस वगैरह की सोच रहे हैं ?

श्री राज बहादुर : गवर्नमेंट के और कार्पोरेशन के काबू में यह तो है कि बसों का बेड़ा बढ़ाया जाय, बसों की हालत सुधारी जाय लेकिन कम से कम मेरे काबू में यह नहीं है कि जो जनसंख्या का बेड़ा है उसको बढ़ने से रोक सकूं; कम से कम मैं उसमें कुछ नहीं कर सकता ।

श्री ए० बी० वाजपेयी : वक्तव्य में कहा गया है कि प्राइवेट बसें भी चलाई जाती हैं। क्या मंत्री महोदय इसकी संख्या दे सकेंगे कि कितनी प्राइवेट बसें चलाई जाती हैं और डी० टी० यू० की कितनी बसें कारखाने में बेकार पड़ी रहती हैं ? क्या इसका भी कोई हिसाब लगाया गया है ?

श्री राज बहादुर : जो प्राइवेट बसेज हैं उनकी संख्या 40 है और प्रत्येक में 60 आदमियों के बैठने की गुंजाइश है और जो बसेज आम तौर से सिक-लिस्ट पर रहती हैं उनकी संख्या के बारे में ऐसा है कि 914 बसेज आजकल डी० टी० यू० में हैं और इनमें से 706 बसेज रोजमर्रा काम के लिए, शेड्यूल्ड आपरेशंस के वास्ते काम में लाई जाती हैं, शेष या तो कुछ टूट-फूट में रहती हैं, मरम्मत में रहती हैं, ओवरहाल में रहती है और आपको मालूम ही है कि इनमें से 100 बसेज ऐसी हैं जो कि सैकेंड हैंड हैं और यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनमें सब की सब काम में नहीं आ सकतीं और धीरे-धीरे रिप्लेस करने की कोशिश की जा रही है।

G. M. MIR : Sir, the D.T.U. is not in a position to meet the requirements of Delhi's population and 1 have heard people refer to D.T.U. as '"Don't Trust Us". So I woi'Jd ask the hon. Minister what action lias been taken with regard to thi- Why should not the private owners of bu "- be asked to lake up this job ?

श्री राज बहादुर : यह सवाल तो पैदा ही नहीं होता। जितना भी मुमकिन है स्टेट गवर्नमेंट के लिए पैसा लगाना, जितना वह लगा सकती है . . .

L MIR : 1 asked the question in Eli

RAJ BAHADUR : I am sorry.

MR. CHAIRMAN : It is being translated. There is simultaneous translation.

SHRI RAJ BAHADUR : I think the question of giving it to the private sector does not arise at all. We are trying to mobilise all the possible resources and we have also increased the Third Plan allocation from Rs. 320 lakhs to Rs. 418 lakhs which is a rise of Rs. 98 lakhs on the total allocation. And as for the second part of the question. I may say we have already augmented the number.

SHRI I. K. GUJRAL : In view of the inadequate transport facilities available in the city, some two years ago a special committee was set up under the chairmanship of the Chief Commissioner, to recommend alternate means of communication. May I ask the hon. Minister if the report of that committee has been lying on his desk for these two years or has any action been initiated on the basis of the recommendation made by that committee on which some foreign experts also were there ?

SHRI RAJ BAHADUR: Which report?

SHRI I. K. GUJRAL : Some two years ago the Chief Commissioner of that time was asked to set up a special committee, by your Ministry and with that committee some foreign experts were also associated, and it was to recommend alternate means of communication in the city. The report bus been there for two years. Mas j I request the hon. Minister to tell us if that report has been read and also il action has been initialed ?

SHRI RAJ BAHADUR : So far as I am aware. I never allow any report to lie on my desk and I make sure that every paper on my desk is cleared by the evening. If there has been any such report, it must have been taken into account and this augmenting of the allocation for the fleet of buses is proof positive of that fact.

SHRI B. K. P. SINHA : May I ask the hon. Minister if the attention of Government has been drawn to this fact thai

while (here may be over-crowding at certain peak hours, at certain other hours while the passengers are waiting at the stand, the buses go very much un-crowded and they take very much less than their capacity ? I say this because at night 1 find that the light in the board which in-the destination is defective, and sometTics there is no light. Even if there is, it so dim that nobody can read the destination. And in the space meant for *ih&* destination board, for reasons of economy maybe, instead of covering the whole space, the boards cover only one-fourth *of* the space available. The result is thai nobody can read the destination board and by the time you read it and try to stop the bus, the bus which is un-crowded rushes away leaving the people standing and waiting.

SHRI RAJ BAHADUR : I will certainly iki information and pass it on to the Corporation for such action as is required to eliminate these complaints.

MR. CHAIRMAN : Mr. Arjun Arora.

SHRI N. SRI RAMA REDDY : Sir, . . .

SHRI ARJUN ARORA : He has called Arjun Arora. Yoti are not Arjun Arora.

MB CHAIRMAN: Two of you cannot put questions together.

SHRI ARJUN ARORA : May I know if the Government has tealised the fact that about 20 per cent .of the buses remain ilay n

AN HON. MEMBER : No. 30 per cent.

VRJUN ARORA : Yes, maybe 30 per cent of them remain idle every day and that is a serious state of affairs. It appears that the workshops of the D.T.U. arc very badly managed and are not efficient. Does the Government propose to do something about it ?

SHRI RAJ BAHADUR : The figure is not 30 per cent. Out of 914 buses as many as 706 arc running every day on an average. So it may be about 20 per cent.

MR. CHAIRMAN : Maybe a little arithmetical inaccuracy.

SHRI RAJ BAHADUR : They are taking every possible step to improve the maintenance. As I said, out of 914 buses, about 100 are old second hand buses put into service to deal with a certain difficult situation. So they are trying to do whatever they can.

شری پیارے لال کریل "طالب" : مانئیه منتری جی سے میں یہ جاننا چاہوں گا کہ کیا یہ بات صحیح نہیں ہے کہ بسوں میں بھیڑ کی اصلی وجہ یہ ہے کہ بسیں ٹائم پر نہیں جاتی ہیں - ہر بس اسٹاپ پر لوگ جمع ہوتے جاتے ہیں اور بسوں کا جو ٹائم ہے اس سے ایک ایک گھنٹے تک لیٹ جاتی ہیں - اس کی وجہ سے آرٹیفیشیل طریقہ پر بھیڑ پیدا کی جاتی ہے - کیا مانئیه منتری جی یہ کرینگے کہ بسیں جو بے قاعدگی سے چلتی ہیں وہ قاعدگی سے چلیں اور ٹائم پر چلیں ؟

†[श्री प्यारे लाल कुरील "तालिब" : माननीय मंत्री जी से मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या यह बात सही नहीं है कि बसों में भीड़ की असली वजह यह है कि बसें टाइम पर नहीं चलती हैं, हर बस स्टाप

पर लोग जमा होते जाते हैं और बसों का जो टाइम है इससे एक-एक घंटे तक लेट चलती है । इसकी वजह से आर्टिफिशियल तरीके पर भीड़ पैदा की जाती है । क्या माननीय मंत्री जी यह करेंगे कि बसें जो बेकायदगी से चलती हैं वह कायदगी से चलें और टाइम पर चलें ?]

श्री राज बहादुर : हो सकता है कि कोई-कोई बस पंकचुअली न चलती हो ; यह शिकायत हो सकती है लेकिन मैं यह बताना चाहूंगा हूं कि बसेज की, डी० टी० यू० की, जो व्यवस्था है वह पूर्णतया कार्पोरेशन के अधीन है और कार्पोरेशन पूर्णतः चुनी हुई है; जो वहां के मेम्बर साहबान चुने हुए हैं वे इसकी देख-रेख पर हमेशा ध्यान देते रहते हैं ।

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائیں گے کہ ان کے نوٹس میں ایسی شکایتیں آئی ہیں کہ جتنی ٹرپ ہوتی ہیں ان میں سے کچھ ٹرپ خود بخود کینسل کر دی جاتی ہیں اور اس کی وجہ سے لوگوں کو زیادہ دقت آتی ہے ۔ جس روٹ پر جتنی ٹرپیں مقرر ہیں جتنی ٹرپیں بسوں کو لگانی ہیں ان ٹرپوں میں سے کچھ ٹرپیں وہاں کے کرمچاری ویسے ہی کینسل کر دیتے ہیں اور اس کی وجہ سے جنتا کو زیادہ تکلیف ہوتی ہے ۔ ایسی کوئی شکایت آپ کے نوٹس میں آئی ہے ؟

†[**श्री अब्दुल ग़नी** : क्या वज़ीर साहब फरमाएंगे कि उन के नोटिस में ऐसी शिकायतें आई हैं कि जितनी ट्रिप होती हैं इनमें से कुछ ट्रिप खुद बखुद कैंसिल कर दी जाती हैं और इसकी वजह से लोगों को ज्यादा दिक्कत आती है । जिस रूट पर जितनी ट्रिपें मुकर्रर हैं जितनी ट्रिपें बसों को लगानी हैं इन ट्रिपों में से कुछ ट्रिपें वहां के कर्मचारी वैसे ही कैंसिल कर देते हैं और इसकी वजह से जनता को ज्यादा तकलीफ होती है । ऐसी कोई शिकायत आपके नोटिस में आई है ?]

श्री राज बहादुर : कभी कभी ऐसा होता हो तो कोई ताज्जुब नहीं । यह जरूर होता है कि पीक-आवर्स का जो ट्रैफ़िक है, उसकी वजह से वह ज्यादा से ज्यादा बसें देते हैं, 70-80 बसें पीक आवर्स में लगाते हैं ।

*68. *{The questioner (Shri Sitaram Jaipuria) was absent. For answer,* vide *cols.* 435-536 infra.]

GRANTS FROM CENTRAL SOCIAL WELFARE BOARD

*69. 'SHRI P. K. KUMARAN : Will the Minister of SOCIAL SECURITY be pleased to state :

(a) the number of institutions to which assistance has been granted by the Central Social Welfare Board during the years 1962, 1963 and 1964; and

(b) how many such institutions are now defu.nct and how many were actually not started and what were the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LAW (SHRI JACANATII RAO) : (a) A statement is laid on the Table of the Sabha.

(b) The requisite information is being collected and will be placed in the Sabha when available.

t[ ] Hindi transliteration.